चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 14 जुलाई 2026, अंक –310.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

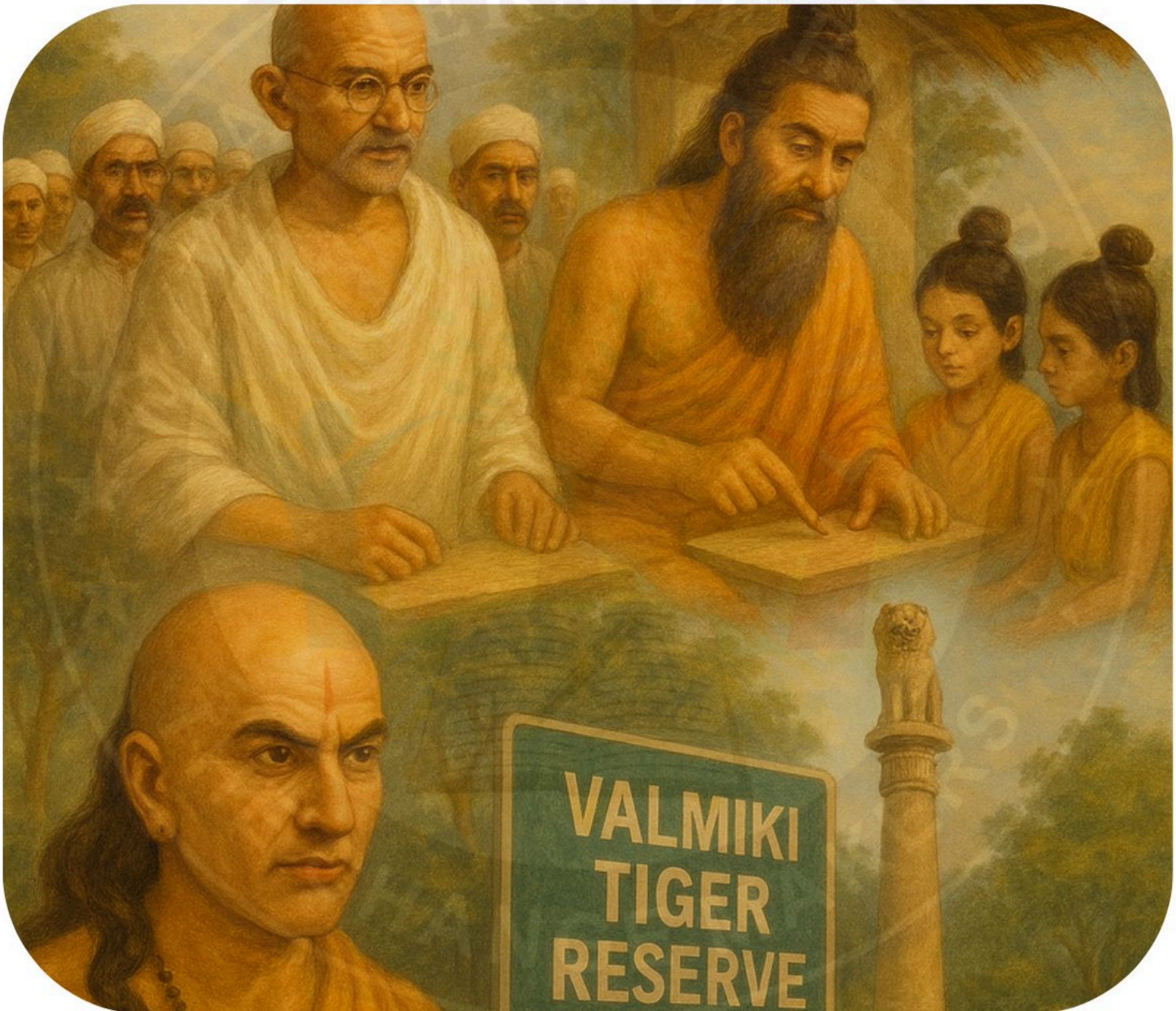

"सफलता अंत नहीं है, और विफलता घातक नहीं है।"
— विंस्टन चर्चिल

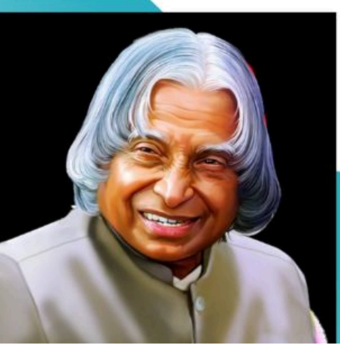

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ब्राज़ील की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्रासीलिया
प्रश्न 2. एवरेस्ट पर्वत पर पहुँचने वाली भारत की पहली महिला कौन थीं?
उत्तर: बछेंद्री पाल
प्रश्न 3. 'बिहू' असम का प्रमुख पर्व है। 'बिहू' शब्द का संबंध मुख्यतः किससे है?
उत्तर: कृषि
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या के अंतिम दो अंक 00, 25, 50 या 75 हों, तो वह किस संख्या से विभाज्य होगी?
उत्तर: 25
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'ककोलत जलप्रपात' किस नदी पर बना है?
उत्तर: ककोलत नदी
प्रश्न 6. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: तमिलनाडु
प्रश्न 7. हवाई जहाज़ का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: राइट बंधु
प्रश्न 8. भारत के संविधान के अनुसार किसी राज्य का संवैधानिक प्रमुख कौन होता है?
उत्तर: राज्यपाल
प्रश्न 9. 'मित्र' शब्द का एक पर्यायवाची बताइए।
उत्तर: सखा
प्रश्न 10. पौधों में भोजन मुख्यतः किस भाग में बनता है?
उत्तर: पत्तियाँ

संकलन:-

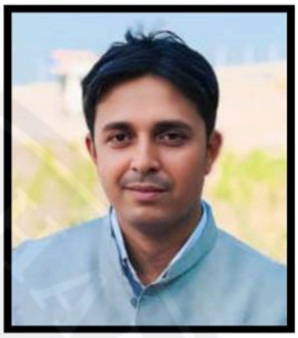

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Cat – (कैट) – बिल्ली
Rabbit – (रैबिट) – खरगोश
Monkey – (मंकी) – बंदर
Deer – (डियर) – हिरण
Camel – (कैमल) – ऊँट
Sheep – (शीप) – भेड़
Pig – (पिग) – सूअर

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वे ... नहीं सकते हैं" (They cannot / They can't ...)

वे तैर नहीं सकते हैं। – They cannot swim.
वे गाड़ी नहीं चला सकते हैं। – They cannot drive.
वे झूठ नहीं बोल सकते हैं। – They cannot tell a lie.
वे इतना ऊँचा नहीं कूद सकते हैं। – They cannot jump so high.
वे यह प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं। – They cannot solve this question.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. 14 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: बास्तील दिवस (Bastille Day) — फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस
व्याख्या: 14 जुलाई को फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस "बास्तील दिवस" (La Fête Nationale) मनाया जाता है। यह 14 जुलाई 1789 को पेरिस में बास्तील किले-जेल पर जनता के ऐतिहासिक धावे की वर्षगाँठ है, जो फ्रांसीसी क्रांति का प्रारंभिक प्रतीक बनी। इस दिन को 1880 में फ्रांस में आधिकारिक राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया। बास्तील किला निरंकुश राजतंत्र का प्रतीक था — इसमें उस समय केवल 7 बंदी थे। इस घटना ने "स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व" (Liberté, Égalité, Fraternité) के नारे को साकार किया। फ्रांसीसी क्रांति (1789-1799) ने विश्व के लोकतांत्रिक आंदोलनों को गहरे से प्रभावित किया और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विचारकों को भी प्रेरणा दी।
संदर्भ: NCERT History Class 9, Ch 1 The French Revolution, p. 3–10

प्र.2. NIA (राष्ट्रीय जाँच एजेंसी) ने 6 जुलाई 2026 को पहलगाम आतंकी हमले (अप्रैल 2025) के पूरक आरोप-पत्र में किस पाकिस्तान स्थित आतंकी को आरोपी नामित किया और उस पर किन अधिनियमों के तहत आरोप लगाए गए?
उत्तर: हाफिज सईद; BNS 2023 और UAPA 1967
व्याख्या: NIA ने 6 जुलाई 2026 को NIA विशेष न्यायालय, जम्मू में पहलगाम आतंकी हमले के पूरक आरोप-पत्र में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के प्रमुख हाफिज सईद को व्यक्तिगत क्षमता में और LeT एवं उसके सक्रिय प्रतिनिधि संगठन "द रेजिस्टेंस फ्रंट" (TRF) के प्रमुख के रूप में आरोपी नामित किया। आरोप भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 और विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम [UAPA] 1967 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत लगाए गए। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए इस हमले में धर्म के आधार पर 25 निर्दोष पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक की जान गई थी। NIA की स्थापना 2008 में हुई और यह केंद्रीय आतंकवाद-निरोधक एजेंसी है।
संदर्भ: indiatvnews.com — NIA Chargesheet Hafiz Saeed, 6 July 2026

प्र.3. "देवदास" उपन्यास के रचयिता कौन हैं और यह किस प्रेम-त्रासदी पर आधारित है जिस पर अनेक फिल्में बनाई गई हैं?
उत्तर: शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय
व्याख्या: "देवदास" (1917) प्रसिद्ध बंगाली उपन्यासकार शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय (1876-1938) की एक अमर प्रेम-त्रासदी है। यह एक उच्च वर्गीय युवक "देवदास" और उसकी बचपन की प्रेमिका "पारो" (पार्वती) की दुखद प्रेम कहानी है जो सामाजिक बाधाओं और कायरता के कारण अलग हो जाते हैं, और देवदास मद्यपान में डूबकर जीवन समाप्त कर लेता है। इस उपन्यास पर हिंदी और बंगाली में अनेक फिल्में बनी हैं जिनमें 1955 में बिमल रॉय निर्देशित फिल्म अत्यंत प्रसिद्ध है। शरत्चंद्र को "अपराजेय कथाशिल्पी" कहा जाता है। उनकी अन्य प्रमुख रचनाओं में "श्रीकांत", "चरित्रहीन", "परिणीता" और "माँ" सम्मिलित हैं।
संदर्भ: शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय — "देवदास", प्रकाशन वर्ष 1917; NCERT Hindi-Bengali Literature

प्र.4. "UGRAM" (Uttam Gaurav Rifle Aatmanirbhar Mein) राइफल किसने और कितने दिनों में विकसित की — और यह किस कैलिबर की है?
उत्तर: Dvipa Defence और DRDO-ARDE; 100 दिन; 7.62×51mm
व्याख्या: हैदराबाद स्थित रक्षा स्टार्टअप "Dvipa Defence" ने DRDO के "आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान" (ARDE), पुणे के साथ मिलकर UGRAM 7.62×51mm बैटल राइफल को मात्र 100 दिनों में विकसित किया। यह राइफल भारतीय सेना और गृह मंत्रालय के प्रमुख परीक्षणों में सफल रही है और अंतिम मूल्यांकन के अधीन है। 7.62×51mm NATO कैलिबर अधिक मारक क्षमता और दूरी के लिए जाना जाता है। UGRAM भारत की "आत्मनिर्भर भारत" रक्षा नीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। वर्तमान में भारतीय सेना मुख्यतः AK-203 और INSAS राइफलें उपयोग करती है। निजी रक्षा उद्योग की भागीदारी से भारत का रक्षा निर्यात भी तेज़ी से बढ़ रहा है।
संदर्भ: barristery.in Daily Current Affairs 9 July 2026; DRDO Official Statement; PIB Ministry of Defence

प्र.5. फ्रांसीसी क्रांति (1789) ने "स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व" का नारा दिया — इस क्रांति के प्रमुख दार्शनिक कौन थे जिनके विचारों ने इसे प्रेरित किया?
उत्तर: रूसो, वॉल्तेयर, मॉन्तेस्क्यू
व्याख्या: फ्रांसीसी क्रांति (1789-1799) "प्रबोधन काल" (Age of Enlightenment) के विचारकों से गहराई से प्रभावित थी। जॉन जैक्स रूसो ने "सामाजिक अनुबंध" (Social Contract) का सिद्धांत प्रस्तुत किया — "लोग संप्रभु हैं।" फ्रांस्वा-मारी वॉल्तेयर ने चर्च के निरंकुश प्रभाव और असहिष्णुता की आलोचना की। बैरन डी मॉन्तेस्क्यू ने "शासन के तीन अंगों" (विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका) के पृथक्करण का सिद्धांत दिया जिसे भारत सहित अनेक लोकतंत्रों ने अपनाया। फ्रांसीसी क्रांति ने "मानव और नागरिक अधिकारों की घोषणा" (1789) के माध्यम से आधुनिक लोकतंत्र की नींव रखी। इस क्रांति ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों — बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय — को भी प्रेरित किया।
संदर्भ: NCERT History Class 9, Ch 1 The French Revolution, p. 6–9

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "लक्षद्वीप" किस प्रकार का द्वीप समूह है और यह किस सागर में स्थित है — इसकी राजधानी क्या है?

उत्तर: प्रवाल द्वीप (Coral Islands); अरब सागर; कवरत्ती

व्याख्या: लक्षद्वीप भारत का एकमात्र प्रवाल द्वीप समूह है जो अरब सागर में केरल के तट से लगभग 200-400 किमी पश्चिम में स्थित है। यह भारत का सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश है जिसका कुल भू-क्षेत्रफल मात्र 32 वर्ग किमी है। इसमें 36 द्वीप हैं जिनमें से केवल 10 पर मानव बस्ती है। इसकी राजधानी "कवरत्ती" है। प्रवाल भित्तियाँ (Coral Reefs) अत्यंत जैव-विविध समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र हैं। "मिनीकॉय" यहाँ का सबसे दक्षिणी द्वीप है। लक्षद्वीप UPSC के भूगोल और पर्यावरण दोनों खंडों में महत्वपूर्ण है क्योंकि जलवायु परिवर्तन से समुद्री जल स्तर बढ़ने से इन द्वीपों के अस्तित्व को खतरा है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 18;

प्र.7. भारतीय संविधान में "मूल संरचना सिद्धांत" (Basic Structure Doctrine) किस ऐतिहासिक निर्णय में स्थापित हुआ और इसका क्या अर्थ है?

उत्तर: केशवानंद भारती वाद (1973)

व्याख्या: "केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973)" वाद में सर्वोच्च न्यायालय की 13 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 7-6 के बहुमत से "मूल संरचना सिद्धांत" (Basic Structure Doctrine) प्रतिपादित किया। इसके अनुसार संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान में संशोधन कर सकती है, किंतु संविधान की "मूल संरचना" को नष्ट नहीं कर सकती। मूल संरचना के अंतर्गत: संविधान की सर्वोच्चता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, संघीय ढाँचा, न्यायिक समीक्षा, मौलिक अधिकार और शक्तियों का पृथक्करण सम्मिलित हैं। इसी सिद्धांत के आधार पर 42वें संशोधन (1976) के कई प्रावधान बाद में निरस्त किए गए। यह निर्णय भारतीय संवैधानिक इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय माना जाता है।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11 — Indian Constitution at Work, Ch 9 Constitution as a Living Document, p. 178–181

प्र.8. "PM-SETU" (प्रधानमंत्री कौशलम् एवं रोजगार परिवर्तन उन्नत आईटीआई) कार्यक्रम क्या है और इसके अंतर्गत कितने ITI को उन्नत किया जाएगा?

उत्तर: ITI का आधुनिकीकरण कार्यक्रम; 200 ITI

व्याख्या: PM-SETU (Pradhan Mantri Skilling and Employability Transformation through Upgraded ITIs) एक महत्वाकांक्षी केंद्रीय योजना है जिसे जुलाई 2026 में विस्तारित रूप में अनुमोदित किया गया। इसके अंतर्गत देश भर के 200 ITI (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) को "उत्कृष्टता केंद्र" (Centres of Excellence) के रूप में उन्नत किया जाएगा। इसमें AI, इलेक्ट्रिक वाहन, अर्धचालक, हरित ऊर्जा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे भविष्य-उन्मुख कौशल पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। यह योजना "विश्व युवा कौशल दिवस" (15 जुलाई) की पूर्व संध्या पर विशेष रूप से प्रासंगिक है। भारत में वर्तमान में लगभग 14,600 ITI हैं जिनमें 20 लाख से अधिक सीटें हैं। कौशल विकास UPSC GS-II के "शिक्षा एवं मानव संसाधन" खंड का महत्वपूर्ण विषय है।

संदर्भ: Barristery.in Daily Current Affairs 9 July 2026

प्र.9. "पट्टचित्र" (Pattachitra) चित्रकला किस राज्य की प्रमुख पारंपरिक चित्र शैली है और इसमें मुख्यतः किस विषय-वस्तु का चित्रण होता है?

उत्तर: ओडिशा (और पश्चिम बंगाल); पौराणिक कथाएँ और जगन्नाथ लीला

व्याख्या: "पट्टचित्र" (Pattachitra) ओडिशा और पश्चिम बंगाल की एक प्राचीन और अत्यंत समृद्ध लोक-चित्र शैली है। "पट्ट" का अर्थ है कपड़ा और "चित्र" का अर्थ है चित्रकारी। इसमें कपड़े या ताड़पत्र पर प्राकृतिक रंगों से भगवान जगन्नाथ, राधा-कृष्ण, दुर्गा और रामायण-महाभारत की पौराणिक कथाओं का चित्रण होता है। ओडिशा में पुरी के निकट "रघुराजपुर" गाँव पट्टचित्र के लिए विश्वप्रसिद्ध है जहाँ पूरा गाँव इस कला में संलग्न है। इसे GI Tag (भौगोलिक संकेतक) प्राप्त है। बंगाल में "कालीघाट पट्टचित्र" एक भिन्न उपशैली है। यह शैली UPSC GS-I की "भारतीय कला एवं संस्कृति" की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art, p. 143–146

प्र.10. बिहार में "सासाराम" (रोहतास जिला) किस मुगल शासक के मकबरे के लिए विश्व प्रसिद्ध है जो भारतीय इतिहास में "हुमायूँ को हराकर" दिल्ली का बादशाह बना था?

उत्तर: शेरशाह सूरी

व्याख्या: सासाराम (बिहार के रोहतास जिले में) शेरशाह सूरी के भव्य मकबरे के लिए विश्वप्रसिद्ध है। शेरशाह सूरी (1486-1545) ने 1540 में बिलग्राम के युद्ध में मुगल सम्राट हुमायूँ को पराजित कर दिल्ली की गद्दी हथियाई और सूर वंश की स्थापना की। शेरशाह का मूल नाम फरीद खान था। उन्होंने "ग्रैंड ट्रंक रोड" (जीटी रोड) का पुनर्निर्माण, "रुपये" (मुद्रा), "डाक प्रणाली" और भूमि राजस्व व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार किए। सासाराम का मकबरा एक जलाशय के मध्य स्थित है और भारतीय-अफगान स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह बिहार की ऐतिहासिक धरोहर का गौरव है।

संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 4 The Mughal Empire, p. 50–52

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, "बाढ़ चेतावनी के रंग संकेत" (Flood Warning Colour Code) क्या हैं और प्रत्येक रंग में विद्यालय को क्या करना चाहिए?

उत्तर: हरा — सामान्य; पीला — सतर्क; नारंगी — उच्च सतर्कता; लाल — आपातकाल

व्याख्या: BSDMA और IMD (भारतीय मौसम विभाग) के संयुक्त "बाढ़ चेतावनी रंग संकेत" प्रणाली के अनुसार: (1) हरा (Green) — कोई खतरा नहीं, सामान्य गतिविधि जारी रखें; (2) पीला (Yellow) — सतर्क रहें, मौसम की निगरानी करें, शिक्षकों को जानकारी दें; (3) नारंगी (Orange) — उच्च सतर्कता, बच्चों को घर जल्दी भेजें, निकासी योजना तैयार करें; (4) लाल (Red) — अत्यंत गंभीर, तत्काल विद्यालय बंद करें, बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाएँ। चंपारण जैसे बाढ़-प्रवण जिलों में यह रंग-संकेत प्रणाली जिला प्रशासन के माध्यम से विद्यालयों को सूचित की जाती है। शिक्षकों को यह जानकारी मोबाइल पर प्राप्त होती है। प्रत्येक रंग पर त्वरित और पूर्व-निर्धारित प्रतिक्रिया जीवन बचाती है।

संदर्भ: BSDMA Flood Warning Colour Code System, Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org;

प्र.12. किसी कक्षा में छात्रों की औसत आयु 14 वर्ष है। यदि शिक्षक की आयु (42 वर्ष) भी शामिल कर दी जाए तो औसत आयु 15 वर्ष हो जाती है। कक्षा में कुल कितने छात्र हैं?

उत्तर: 27 छात्र

व्याख्या: माना छात्रों की संख्या = n। छात्रों की कुल आयु = 14n। शिक्षक सहित कुल व्यक्ति = (n+1)। नया समीकरण: $(14n + 42)/(n + 1) = 15 \rightarrow 14n + 42 = 15n + 15 \rightarrow 42 - 15 = 15n - 14n \rightarrow 27 = n$। अतः कक्षा में 27 छात्र हैं। सत्यापन: 27 छात्रों की कुल आयु = $14 \times 27 = 378$; शिक्षक सहित कुल आयु = $378 + 42 = 420$; औसत = $420/28 = 15$ ✓। यह "औसत" (Average/Mean) का एक उत्कृष्ट प्रश्न है जो BPSC, SSC, Railway, Bank PO सभी परीक्षाओं में अत्यंत प्रचलित है। औसत = कुल योग ÷ संख्या — इस सूत्र का प्रतिलोम प्रयोग ही इस प्रश्न की कुंजी है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 3 Data Handling — Average (Mean), p. 58–62;

GK संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

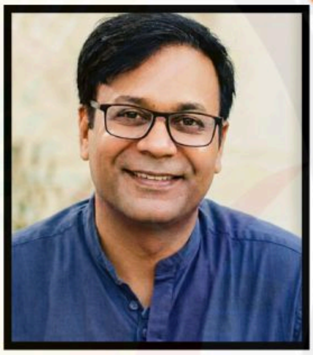

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Acquiesce (अक्विएस) = Comply (कम्प्लाइ) = सहमत हो जाना / मान लेना

Antonym – Resist (रिज़िस्ट) = विरोध करना

Capricious (कैप्रिशस) = Whimsical (व्हिम्ज़िकल) = चंचल स्वभाव वाला / मनमौजी

Antonym – Consistent (कन्सिस्टेन्ट) = स्थिर / निरंतर

Deride (डिराइड) = Mock (मॉक) = उपहास करना / मज़ाक उड़ाना

Antonym – Applaud (अप्लॉड) = प्रशंसा करना

Fastidious (फास्टिडियस) = Meticulous (मेटिक्युलस) = अत्यंत सावधानी बरतने वाला / नुक्ताचीनी करने वाला

Antonym – Careless (केयरलेस) = लापरवाह

Hackneyed (हैक्नीड) = Overused (ओवरयूज़्ड) = घिसा-पिटा / बार-बार प्रयुक्त

Antonym – Original (ओरिजिनल) = मौलिक

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-GigaGrid'; Ministry of Communications connects 5,000 remote villages via indigenous Quantum-Key Distribution (QKD) network.

केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-गीगाग्रिड' की शुरुआत की; संचार मंत्रालय ने देश के 5,000 सुदूर सीमावर्ती गांवों को भारत की पहली स्वदेशी 'क्वांटम-की डिस्ट्रीब्यूशन' तकनीक से लैस कर पूरी तरह से सुरक्षित हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड नेटवर्क से जोड़ा।

Ministry of Corporate Affairs unveils 'MCA-26' portal; mandates AI-driven real-time auditing to track cross-border shell company transactions.

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने 'MCA-26' पोर्टल का अनावरण किया; विदेशी मुखौटा (शेल) कंपनियों के जरिए होने वाले संदिग्ध वित्तीय लेनदेन पर रोक लगाने के लिए एआई-आधारित रीयल-टाइम ऑडिटिंग को अनिवार्य किया गया है।

ISRO successfully test-fires 'NavGati-4' electric propulsion module for next-generation deep-space exploratory probes.

इसरो ने अगली पीढ़ी के गहरे अंतरिक्ष खोजी अभियानों (Deep-Space Probes) के लिए 'नवगति-4' इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन मॉड्यूल का सफल परीक्षण किया; यह तकनीक पारंपरिक रासायनिक ईंधन की तुलना में उपग्रहों का जीवनकाल 50% तक बढ़ा देगी।

INTERNATIONAL NEWS

UN Ocean Governance adopts 'The Deep-Sea Mineral Liability Charter'; mandates strict carbon credits penalty on international floor drilling.

संयुक्त राष्ट्र महासागर शासन ने 'गहरे समुद्र में खनिज उत्तरदायित्व चार्टर' को अपनाया; इसके तहत अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में समुद्री तल की खुदाई (Deep-sea drilling) करने वाली कंपनियों पर कड़े कार्बन क्रेडिट जुर्माने और सख्त पारिस्थितिकी सुरक्षा नियम लागू किए गए।

BBC News: Oxford and Kyoto University researchers successfully develop 'Synthetic Enzyme Bio-Filters' that completely neutralize microplastics in urban wastewater.

बीबीसी न्यूज़: ऑक्सफोर्ड और क्योटो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 'सिंथेटिक एंजाइम बायो-फिल्टर्स' विकसित करने में सफलता पाई; यह तकनीक शहरी कचरा-पानी (Wastewater) में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक्स को मात्र 4 घंटे में सुरक्षित तत्वों में बदल देती है।

World Health Organization (WHO) pre-qualifies 'Zika-Shield 3.0', the world's first highly stable mRNA vaccine with a 2-year shelf life at standard temperatures.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जीका वायरस के खिलाफ दुनिया के पहले अत्यधिक स्थिर mRNA टीके 'जीका-शील्ड 3.0' को मंजूरी दी; यह टीका सामान्य तापमान पर भी 2 साल तक खराब नहीं होगा, जिससे विकासशील देशों में इसका वितरण आसान हो जाएगा।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish the state's first 'Advanced Makhana and Hydroponic Cultivation Cluster to boost farmer income.

बिहार सरकार सहरसा में राज्य का पहला 'उन्नत मखाना एवं हाइड्रोपोनिक खेती क्लस्टर' स्थापित करेगी; इसके तहत कोशी क्षेत्र के किसानों को बिना मिट्टी के नियंत्रित जल माध्यम में मखाने और सब्जियों की आधुनिक सह-खेती का वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

SCERT Bihar launches 'Vigyan-Chaitanya 3.0'; deploys 100 mobile innovation labs equipped with portable 3D printers across rural secondary schools.

एससीईआरटी बिहार ने 'विज्ञान-चैतन्य 3.0' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत ग्रामीण माध्यमिक स्कूलों के लिए 100 मोबाइल नवाचार प्रयोगशाला वैन तैनात की गई हैं, जो बच्चों को पोर्टेबल 3D प्रिंटर और रोबोटिक्स किट्स का व्यावहारिक अनुभव देंगी।

SPORTS NEWS

Indian Grandmaster R Praggnanandhaa wins the 'Zagreb Chess Masters 2026' title; defeats the top-seeded opponent in a brilliant endgame.

भारतीय शतरंज सनसनी आर प्रज्ञानंदा ने क्रोएशिया में आयोजित 'ज़ाग्रेब चेस मास्टर्स 2026' का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया; उन्होंने फाइनल के अंतिम दौर में शानदार खेल दिखाते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पराजित किया।

International Archery Federation introduces 'Biometric Pulse-Sensors' for world championships to display athletes' heart rates during live broadcast.

अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी महासंघ ने आगामी विश्व कप और चैंपियनशिप के लिए 'बायोमेट्रिक पल्स-सेंसर्स' तकनीक को मंजूरी दी; खिलाड़ियों की उंगलियों और धनुष पर लगे सेंसर तीर चलाते समय उनके दिल की धड़कन का लाइव डेटा दर्शकों और कोचों को स्क्रीन पर प्रदर्शित करेंगे।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स केवल घटनाओं का विवरण नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारियों का आधार हैं। प्रतिदिन पढ़ें, निरंतर अपडेट रहें।"

प्रेरक प्रसंग

सोच का फर्क

विद्यालय में नया भवन बन रहा था। मध्यांतर की घंटी बजते ही बच्चे मैदान में खेलने लगे। गीता मैडम विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए निर्माण स्थल के पास पहुँचीं। वहाँ कुछ मज़दूर काम कर रहे थे। कोई ईंट उठा रहा था, कोई गारा बना रहा था और कोई दीवार खड़ी कर रहा था।

बच्चे भी उत्सुकतावश वहीं आ गए। गीता मैडम ने मुस्कुराते हुए मजदूरों से अनौपचारिक बातचीत शुरू की।

उन्होंने पहले मजदूर से पूछा, “भैया, आप क्या कर रहे हैं?”

उसने थके हुए स्वर में उत्तर दिया, “मैडम, सुबह से शाम तक ईंट, सीमेंट और गारा ढो रहा हूँ। बस मजदूरी कर रहा हूँ।”

गीता मैडम दूसरे मजदूर के पास पहुँचीं। उन्होंने वही प्रश्न दोहराया।

वह मुस्कुराकर बोला, “मैं अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा हूँ। मेरे बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च इसी काम से चलता है।”

अब वे तीसरे मजदूर के पास पहुँचीं।

उसके चेहरे पर आत्मविश्वास और संतोष साफ झलक रहा था। उसने गर्व से कहा, “मैडम, मैं केवल दीवारें नहीं बना रहा हूँ। मैं एक ऐसे विद्यालय के निर्माण में अपना योगदान दे रहा हूँ जहाँ से पढ़कर न जाने कितने बच्चे डॉक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक, सैनिक और ईमानदार नागरिक बनेंगे। हो सकता है, कल इसी विद्यालय से पढ़कर कोई बच्चा देश का नेतृत्व करे। यह भवन केवल ईंट और सीमेंट का नहीं, बल्कि हजारों सपनों की नींव है।”

वापस लौटते समय गीता मैडम ने बच्चों से पूछा, “बच्चों, तीनों एक ही काम कर रहे थे, फिर भी उनके उत्तर अलग-अलग क्यों थे?”

अंश ने तुरंत कहा, “मैडम, क्योंकि तीनों की सोच अलग थी।”

गीता मैडम मुस्कुराईं और बोलीं, “बिल्कुल सही। काम की महानता उसके आकार से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य से तय होती है। जो व्यक्ति अपने काम को केवल रोज़गार समझता है, उसे थकान दिखाई देती है। जो उसे जिम्मेदारी मानता है, उसे परिवार दिखाई देता है। लेकिन जो अपने काम को समाज और राष्ट्र की सेवा समझता है, उसके लिए वही काम एक मिशन बन जाता है।”

उस दिन बच्चों ने संकल्प लिया कि वे पढ़ाई केवल अंक लाने के लिए नहीं, बल्कि अपने ज्ञान से समाज और देश का भविष्य संवारने के लिए करेंगे।

प्रेरणा : "काम वही रहता है, लेकिन सोच बदल जाए तो साधारण कर्म भी असाधारण बन जाता है।"

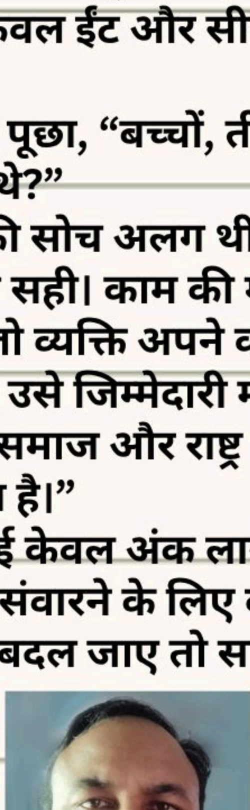

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: CWSN के लिए बाधा-मुक्त वातावरण — समावेशन की पहली भौतिक शर्त

शिक्षक साथियों, हम अक्सर कागजों पर और बैठकों में 'समावेशी शिक्षा' की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। लेकिन कल्पना कीजिए कि एक पैर से लाचार या व्हीलचेयर के सहारे चलने वाला बच्चा जब हमारे स्कूल के मुख्य द्वार पर पहुँचता है, और उसे कक्षा तक जाने के लिए तीन ऊँची सीढ़ियाँ दिखाई देती हैं, तो उसके बाल-मन पर क्या गुज़रती होगी? वह तीन सीढ़ियाँ उसके लिए किसी ऊंचे पहाड़ जैसी बन जाती हैं। बाधा-मुक्त वातावरण (Barrier-Free Environment) का अर्थ केवल स्कूल में ईंट-गाड़े का ढांचा खड़ा करना नहीं है, बल्कि यह उस बच्चे के 'आत्मसम्मान' और 'स्वतंत्रता' की रक्षा करने की एक बुनियादी कोशिश है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPWD Act) स्पष्ट रूप से निर्देश देते हैं कि हर सरकारी भवन, विशेषकर स्कूल, पूरी तरह से सुगम्य (Accessible) होने चाहिए। जब एक विशेष आवश्यकता वाला बच्चा (Children with Special Needs - CWSN) बिना किसी की मदद लिए, खुद अपनी बैसाखी या व्हीलचेयर से कक्षा या शौचालय तक जा पाता है, तब उसके भीतर जो आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पैदा होता है, वही शिक्षा की असली जीत है।

उदाहरण और व्यावहारिक दृष्टिकोण:

आइए इसे अपने विद्यालय परिवेश में कुछ बहुत ही सीधे और कम लागत वाले भौतिक बदलावों से समझते हैं:

1. रैंप (Ramp) और रेलिंग का सही ढलान: हमारे स्कूलों में रैंप तो बना दिए जाते हैं, लेकिन कई बार उनका ढलान (Slope) इतना सीधा होता है कि उस पर सामान्य बच्चा भी फिसल जाए। एक आदर्श रैंप का ढलान कम से कम 1:12 के अनुपात में होना चाहिए ताकि बच्चा खुद व्हीलचेयर ऊपर ले जा सके। साथ ही, रैंप के दोनों तरफ बच्चों के हाथ की ऊंचाई पर मज़बूत लोहे की रेलिंग होनी चाहिए, जिसे पकड़कर पैर से दिव्यांग बच्चा आसानी से सहारा ले सके।
2. सुगम्य शौचालय (Accessible Toilet): स्कूल के कम से कम एक शौचालय के दरवाजे की चौड़ाई इतनी होनी चाहिए कि व्हीलचेयर अंदर जा सके। अंदर की दीवार पर मज़बूत 'हैंडल' (Grab Bars) लगे होने चाहिए ताकि बच्चा उठने-बैठने में उसका सहारा ले सके। फर्श बिल्कुल भी फिसलन भरा न हो।
3. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्पर्श मार्ग (Tactile Paths): जिन बच्चों को आँखों से कम दिखाई देता है या बिल्कुल नहीं दिखाई देता, उनके लिए मुख्य द्वार से लेकर प्रधानाध्यापक कक्ष, कक्षा और शौचालय तक जाने वाले रास्ते पर फर्श में खुरदरी या उभरी हुई टाइलें (Tactile Tiles) लगाई जा सकती हैं। यदि यह बजट में न हो, तो फर्श पर एक निश्चित पैटर्न की खुरदरी पट्टी बनाई जा सकती है, जिसे वे अपनी छड़ी या पैरों के स्पर्श से पहचान सकें।

शिक्षक साथियों, भौतिक संसाधनों के सृजन के साथ-साथ एक और बाधा है जिसे हमें हटाना होगा— "मानसिक बाधा"। कई बार स्कूल में रैंप तो होता है, लेकिन उस पर मध्याह्न भोजन का सामान रख दिया जाता है या साइकिलें खड़ी कर दी जाती हैं। हमें अपनी बाल-संसद और चेतना सत्र (Assembly) के माध्यम से बच्चों को यह सिखाना होगा कि रैंप और रेलिंग सिर्फ एक संरचना नहीं हैं, बल्कि यह उनके भाई-बहनों का रास्ता है, जिसे हमेशा साफ और खाली रखना है।

अंतिम छोर पर बैठे उस बच्चे को यह महसूस होना चाहिए कि यह स्कूल सिर्फ दूसरों का नहीं, बल्कि उतना ही उसका भी है। जब हम भौतिक बाधाओं को दूर करते हैं, तो हम अनजाने में उस बच्चे के सीखने के मार्ग की सबसे बड़ी मानसिक बाधा को भी दूर कर देते हैं।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि समावेशन की शुरुआत स्कूल के मुख्य द्वार से होती है। एक संवेदनशील शिक्षक के रूप में हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे स्कूल का कोई भी कोना किसी बच्चे के लिए 'अगम्य' न रहे। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपके स्कूल का रैंप और शौचालय वास्तव में किसी दिव्यांग बच्चे के उपयोग के लायक है? क्या हम अपनी बाल-संसद की मदद से इसे और सुगम बना सकते हैं?

..................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। यह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- • यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- • शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : खगड़िया, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

खगड़िया: मानसी का व्यापारिक गलियारा, पीले सोने की आर्थिकी और पशुधन का वैश्विक संभल

खगड़िया की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके सुदूर दियारा क्षेत्रों के मेलों और जलीय उत्सवों में धड़कता है। सात नदियों के इस संगम पर प्रत्येक वर्ष होने वाली पारंपरिक नौका दौड़ (Boat Racing) यहाँ के मल्लाहों और किसानों के अदम्य साहस का जीवंत सांस्कृतिक प्रतीक है, जो बाढ़ की विभीषिका को भी उत्सव में बदल देने की क्षमता रखता है। इसके साथ ही, गोगरी के देवथा स्थान और अलौली के ऐतिहासिक गोगा बिल और चौरों के मेले यहाँ की गहरी लोक-स्थापत्य और सहिष्णुता के प्रमाण हैं। यह सांस्कृतिक ताना-बाना विषम प्राकृतिक परिस्थितियों में भी संपूर्ण फरकिया समाज को आपसी भाईचारे और समरसता के एक मज़बूत धागे में पिरोकर रखता है।

आर्थिक मोर्चे पर खगड़िया संपूर्ण बिहार में अपनी विशिष्ट 'दियारा आर्थिकी' (Diara Economy) के लिए जाना जाता है, जिसका सबसे मज़बूत स्तंभ यहाँ का मक्का (पीला सोना) उत्पादन है। खगड़िया की नदियों द्वारा लाई गई गाद युक्त दोमट मिट्टी मक्के के लिए एक प्राकृतिक स्वर्ण-भूमि है। यहाँ के मानसी और गोगरी जमालपुर की अनाज मंडियाँ पूरे पूर्वी भारत में मक्के के थोक व्यापार का मुख्य केंद्र हैं, जहाँ से रैक के रैक मक्का देश-विदेश के स्टार्च और इथेनॉल प्लांटों के लिए भेजा जाता है। मक्के के अलावा, कोसी और बागमती के कछारों में होने वाली परवल, तरबूज और केले की बड़े पैमाने पर खेती यहाँ के किसानों को बाढ़ के बाद तीव्र आर्थिक तरलता (Cash Flow) प्रदान करती है।

इस अनूठी आर्थिकी का दूसरा सबसे बड़ा आधार यहाँ का असाधारण पशुधन और दुग्ध विज्ञान है। नदियों के किनारे फैले विशाल प्राकृतिक चरागाहों ('बथान') के कारण खगड़िया में दुग्ध उत्पादन की प्राचीन परंपरा है। 'बछवाड़ा और मानसी बेल्ट' से प्रतिदिन हज़ारों लीटर दूध का संग्रहण कर 'बरौनी डेयरी' (सुधा) के नेटवर्क के माध्यम से राज्य के कोने-कोने में भेजा जाता है। इसके साथ ही, मानसी का ऐतिहासिक मवेशी बाज़ार (Cattle Market) कभी समूचे उत्तर बिहार और नेपाल के व्यापारियों के लिए क्रय-विक्रय का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय मंच रहा है, जो आज भी स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना हुआ है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो खगड़िया में 'एग्रो-प्रोसेसिंग' और एथेनॉल हब बनने की असीमित क्षमताएं हैं। चूंकि यह जिला बरौनी-कटिहार रेलखंड और एनएच-31 के चौराहे पर स्थित है, इसलिए मानसी में एक विशाल 'लॉजिस्टिक्स पार्क' और आधुनिक मक्का स्टार्च प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित कर स्थानीय मक्के को सीधे 'ग्लोबल वैल्यू चेन' से जोड़ा जा रहा है। कोसी और गंगा के इन शांत जल-क्षेत्रों में आधुनिक मत्स्य पालन क्लस्टर्स और मखाना प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना कर 'ब्लू इकोनॉमी' को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही, कात्यायनी स्थान को 'कल्याणकर धार्मिक सर्किट' से एकीकृत कर ढांचागत पर्यटन विकसित किया जाए, तो यह दुर्गम फरकिया क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के हज़ारों नए अवसर पैदा कर सकता है।

खगड़िया का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला सात नदियों की चुनौतियों को अपने पुरुषार्थ से अवसरों में बदलने की विलक्षण कला जानता है। मानसी की अनाज मंडियों की हलचल हो, दियारा के बथानों में दूध की नदियाँ हों, मक्के के लहलहाते सुनहरे खेत हों या कात्यायनी धाम का आध्यात्मिक संभल—खगड़िया आत्मनिर्भर बिहार का एक साहसिक और अत्यंत प्रामाणिक ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस विशिष्ट नदी-घाटी आर्थिकी, दियारा कृषि प्रारूप और एग्रो-बेस्ड लॉजिस्टिक्स के इस व्यावहारिक मॉडल का यह गहन अध्ययन बिहार की आर्थिक नियति को समझने की एक अचूक और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org